[वैदिक संस्कृति]
[Vedic Culture]
[1500 B.C – 600 BC]

संस्थापक –: आर्य लोग → कुलीन

[मुख्य विशेषता]

⇒ यह एक ग्रामीण सभ्यता थी। ये कच्चे मकानों में रहते थे।

⇒ इनका व्यवसाय पशुपालन। कृषि था।

⇒ गाय को पवित्र मानते थे।

⇒ कृषि –: 1. जौ | Barley | यव
2. गोधूम | गेहूं | Wheat
3. व्रीही | चावल | Rice

⇒ आर्यों का मूल निवास स्थान —

1. प्रो० मैक्समूलर –: मध्य एशिया
2. बी० जी० तिलक –: आर्कटिक ध्रुव प्रदेश
⇓
"आर्कटिक होम ऑफ वेदाज"
3. दयानंद सरस्वती –: तिब्बत
⇓
"सत्यार्थप्रकाश"
4. अविनाश चंद्र दास –: सप्त सैंधव प्रदेश

	New		Old
1.	Saraswati	→	Sarsuti / सुरुती
2.	Sindhu	→	Indus / इंडस
3.	Ravi	→	Parushini / परूष्णी
4.	Beas	→	Vipasa / विपासा
5.	Chenab	→	अस्क्नी / Askini
6.	Jhelum	→	वितस्ता / Vitasta
7.	Satluj	→	Sutudri / शुतुद्री

[चार वेद]

⇓ ज्ञान

⇒ 1. [ऋग्वेद] –: 1028 मंत्र | Hymns, 10 मंडल

[I] साकल
[II] वास्कल
[III] बालाखिल्य

→ पूजा के मंत्र।
→ होता अथवा होतृ वर्ग

Scanned with CamScanner

→ गायत्रीमंत्र → 3rd मंडल
⇓
सवितृ / सविता / संध्या
(Goddess of evening)
रचयिता → विश्वामित्र।
→ इन्द्र → 250 मंत्र
→ जल → 215 बार

⇒ 2. [सामवेद] → 1810 मंत्र या → 1549 मंत्र ⇒ 20 अध्याय or ⇒ 40 अध्याय
⇓
गेय / Geya
(गाये जाते थे)
→ 75 मंत्र सामवेद के स्वयं हैं। [जिन मंत्रों को रचा गया है]
→ गायन मंत्र है।
→ उद्गाता या उद्गात्र वर्ग (गाने वाले को)

⇒ 3. [यजुर्वेद / Yajurveda]
यजुष
⇓
गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

→ शुक्ल यजुर (पद्य)
⇓
1603 मंत्र, 99 सूक्ति
⇓
20 अध्याय

→ कृष्ण यजुर (गद्य)
⇓
20 अध्याय

⇒ यज्ञ के विधि-विधान के नियम हैं।
⇒ अध्वर्यु वर्ग / Ardhwu (गाने वाले को)

⇒ [वेदत्रयी]
⇓
[ऋग्वेद
सामवेद
यजुर्वेद]

⇒ 4. [अथर्ववेद] → 5849 मंत्र / श्लोक (6000)
→ 731 सूक्ति
— [20 अध्याय or 40 अध्याय]
⇓
अथर्वामुनि ने रचना की।
⇒ झाड़-टोने के मंत्र हैं।
⇒ इसे तीसरा महाकाव्य कहते

⇒ [रामायण / Ramayan] → वाल्मीकि (रत्नाकर)
⇒ महाभारत को 5वाँ वेद कहते हैं।

Scanned with CamScanner

⇒ [4-उपवेद]

1. Ayurveda - Medicine - औषधि ← ऋग्वेद
2. Gandharvaveda - Music/Dance - नृत्य/गान ← सामवेद
3. Dhanurveda - War Strategy - रणकौशल ← यजुर्वेद
4. Shilpiveda - Architecture - ~~वास्तु शिल्पि~~ ← अथर्ववेद

⇒ [6 - वेदांग]

1. शिक्षा / Phonetics → वेदों की नाक
2. कल्प / Rituals → वेदों की हाथ
3. निरुक्त / Etymology → वेदों की ~~कूल~~ कान
4. छंद / Metrics → वेदों का पैर
5. ज्योतिष / Astrology → वेदों की आँख
6. व्याकरण / Grammar → वेदों का मुख

⇒ [6 - वेदांग]

→ ब्रम्हण / Brahmanas → (9)
→ अरण्यक / Aranyakas → (7) → No Aranyaka of Atharvaveda
→ उपनिषद् / Upnishads → (108)
↓
वेदांत

⇒ मुण्डक उपनिषद्
⇓
" सत्यमेव जयते "

⇒ [वैदिक काल / Vedic Age]

1. [पूर्व वैदिक काल / Early vedic Age] [ऋग्वैदिककाल]
[1500.B.C - 1000 B.C]
ऋग्वेद - II to VII मण्डल

⇒ कर्मप्रधान समाज था।
→ चार वर्गों में बंटा था -
[I] पुरोहित वर्ग
[II] योध्दा वर्ग
[III] व्यापारी वर्ग
[IV] सेवक वर्ग

⇒ व्यापारी वर्ग
⇓
शासकवर्ग

⇒ यदु, अणु, दुह्य, त्रित्सु, तुर्वस
⇓
पंचजन
(ये कबीले थे)

Scanned with CamScanner

2. [उत्तर वैदिक काल / Later Vedic Age]
[1000 B.C. – 600 B.C.]
[ऋग्वेद – I, VIII, IX, X]
सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद

⇒ जाति पर आधारित समाज था।
→ 4 जातियाँ / Casts –
[I] ब्राह्मण
[II] क्षत्रीय
[III] वैश्य
[IV] शूद्र
→ पुरुषसूक्त (10 मण्डल) में जाति का प्रथम प्रयोग मिला।

⇒ अंतर्जातीय विवाह –
[I] अनुलोम → Upper Caste Boy → Lower Caste Girl
[II] प्रतिलोम → Upper Caste Girl → Lower Caste Boy

⇒ वैदिक समाज ⇒ पितृसत्तात्मक
पिता → कुलप

⇒ 8 प्रकार के विवाह –
[I] ब्रम्ह
[II] देव
[III] गंधर्व
[IV] प्रजापात्य
→ धर्म विवाह
[V] आर्ष
[VI] असुर
[VII] राक्षस
[VIII] पैशाच
→ अधर्म विवाह

⇒ धार्मिक दशा –:
(250 बार) ← इन्द्र → पुरंदर
आँधी-तूफान के देवता
→ [प्राकृतिक पूजा]
→ [मूर्ति पूजा नहीं थी]
→ [वरुण, मारुति, अग्नि, उषा, सावित्री (शाम की देवी), सूर्य, चंद्र, आकाश

⇒ राजसूय यज्ञ –: राजा के राजतिलक के समय।
⇒ अश्वमेध यज्ञ –: यह शक्ति का प्रतीक था।
⇒ वाजपेय यज्ञ –: रथ-दौड़ प्रतियोगिता – राजकुमारों में।

Scanned with CamScanner

⇒ 4 वर्ण आश्रम

[I] ब्रम्हचर्य → (25)
[II] गृहस्थ → (26–50)
[III] वानप्रस्थ → (50–75)
[IV] संन्यास → (76–100)

100 वर्ष
⇓
[ब्राह्मण
क्षत्रिय
वैश्य]

⇒ राजनीतिक दशा –:

→ जन
⇓
जनपति → कबीले का मुखिया

⇒ वैश्यवर्ग → शासकवर्ग

⇒ राजनैतिक संगठन

राष्ट्री ←	राष्ट्र
सम्राट ←	साम्राज्य ↓
जनपति ←	जन ↓
ग्रामिणी ←	ग्राम ↓
कुलप ←	कुल

→ राजन → किंग
→ सेनानी → रथ बनाने वाला
→ रथी → सेनापति
→ ~~सारथी~~ → रथ चलाने वाला
→ महिषी → मुख्य रानी
→ भागधुक → भूमिकर लेने वाला
→ भाग या बलि → (लगान)

→ सभा –: राजा की निजी संस्था
→ समिति –: गाँव की समिति
→ विदथ –: (नहीं दिया है)

⇒ आर्थिक दशा –:

→ गाय –: अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी
→ कृषि –: मुख्य व्यवसाय था।
व्यापार
→ Barley / जौ
→ Wheat / गेहूँ
→ Rice / चावल

⇒ व्यापार मध्यएशिया से किया जाता था।
→ चित्रित धूसित मृद्भाण्ड का भी सप्लाई होता था।

→ सार्थवाह –: व्यापारी समूह के मुखिया।

Scanned with CamScanner